Extension of Cuttack-Paradip Passenger Trains upto Bhadrak

*446. SHRI ARJUN SETHI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there has been demands to extend the services of Cuttack-Paradip Passenger Trains to Bhadrak Railway Station for the benefit of passengers; and

(b) if so, the reaction of the Government thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes, Sir.

(b) Apart from lack of traffic justification, extension of 1CP/2 CP Cuttack Paradip Mixed Passenger upto Bhadrak has not been found operationally feasible at present primarily due to terminal and capacity constraints.

Formulation of National Health Policy

*447. SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Centre has not formulated a national health policy so far despite sustained efforts made by the Indian Medical Association; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b). Draft of the National Health Policy has been evolved in consultation with experts, professional associations etc. and is in the process of being finalised.

मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में हड़ताल और आन्दोलन

*448. **श्री के० प्रधानी** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में हड़ताल और आन्दोलन की घटनाओं में हाल में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार देश में चिकित्सा विज्ञान के शिक्षण और व्यवहारिक प्रशिक्षण (प्रैक्टिस) संबंधी व्यापक योजना को बनाने हेतु एक समिति का गठन करने के बारे में विचार करेगी; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द): (क) रिपोर्ट बताती है कि पिछले दिनों मेडिकल कालेजो तथा अस्पतालों मे हड़तालो तथा आन्दोलनों की संख्या मे वृद्धि हुई है;

(ख) और (ग). फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

उत्तर रेलवे में हुई रेल दुर्घटनाएं

*449. **श्री अशोक गहलोत** : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1980 और जनवरी, 1981 के दौरान उत्तर रेलवे में हुई रेल दुर्घटनाओं की डिवीजन-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या फरवरी, 1981 के प्रथम सप्ताह में मरुधर एक्सप्रेस के चालक ने

भेड़ता रोड स्टेशन पर खड़ी हुई माल गाड़ी के साथ दुर्घटना की आशंका से गाड़ी रोक दी थी;

(ग) यदि हां, तो भविष्य में इस तरह दुर्घटनाओं का होना रोकने के लिए अब तक सरकार ने क्या कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि कदम नहीं उठाए गए हैं तो उस के क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) जनवरी, 1980 और जनवरी, 1981 के दौरान उत्तर रेलवे पर हुई दुर्घटनाओं की मंडलवार संख्या नीचे दी गई है :—

मंडल	गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या	
	जनवरी, 1980	जनवरी, 1981
1. इलाहबाद	2	—
2. दिल्ली	6	2
3. फीरोजपुर	1	1
4. लखनऊ	1	—
5. मुरादाबाद	1	5
6. बीकानेर	3	2
7. जोधपुर	1	—
जोड़	15	10

(ख) ऐसी कोई दुर्घटना नहीं हुई है।

(ग) और (घ). प्रश्न नहीं उठता। चूंकि दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी एक प्रमुख कारण रेल कर्मचारियों की विफलता है, अतः गाड़ियों के चालन से सम्बन्धित कर्मचारियों में संरक्षा सम्बन्धी अधिक जागरूकता पैदा करने और यह सुनिश्चित करने केलिये कि कर्मचारी नियमों का उल्लंघन न करें या ऐसे लाघव तरीके न अपनाएं जिस से दुर्घटनाएं हों, रेलों के संरक्षा संगठन निरन्तर अभियान चला रहे हैं।

गाड़ियों की तथा सवारी और माल गाड़ी डिपुओं में मौके पर जांच की प्रक्रिया तेज कर दी गयी है और रेलपथ के समुचित अनुरक्षण की ओर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। मानवीय तत्वों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, पहियों, धुरा और पटरियों, धुरा काउंटरों, रेल पथ परिपथन आदि के लिए पराश्रव्य दोष संसूचक जैसे परिष्कृत उपकरण उत्तरोत्तर लागू किये जा रहे हैं।

चूंकि समपारों की दुर्घटनाएं सड़क उपयोगकर्ताओं की अंधाधुंध और असावधानीपूर्ण कृत्यों के कारण होती हैं, अतः रेलवे इश्तिहार, पम्पलेट बांट कर, सिनेमा हालों में स्लाइड, आदि प्रदर्शित करके सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच शैक्षिक अभियान चला रही है। सड़क उपयोगकर्ताओं द्वारा मोटर वाहन नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये राज्य पुलिस प्राधिकारियों के साथ समन्वय करके अचानक जांचें भी की जाती हैं। इस के अतिरिक्त, अत्याधिक खतरनाक समपारों पर रेलों की लागत से चौकीदार तैनात किये जाते हैं।

Alleged running of Goods Train without Guard and Guard-Van

*450. SHRI ERA MOHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state;

(a) whether it has become a practice to run goods train without guard and guard-van;